THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

# उस आज़ादी को प्राप्त करना जो अन्दर से रोशन होती है
# Finding the Freedom that glows from within

Author – Poonam Likhi

The Christian Science Monitor March 19, 2014

बहुत सारे देशों की तरह भारत में भी हम हर साल स्वतन्त्रता दिवस पटाखों के साथ, झंड़ा लहरा कर और उन्हें याद कर के मनाते हैं, जिन्होंनें आज़ादी की लड़ाई में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। हम उस दिन को स्मरण करते हैं, जब हमारा देश, विदेशी दासता से आज़ाद हुआ था और एक सम्पन्न देश बन गया था–सच में उपलब्धि का एक दिन। परन्तु इस सब के बीच राजनैतिक तथा धार्मिक द्वंद्व चलते रहे। इस कारण अन्य कई लोगों के साथ, मैं भी अधिक गहराई से समझना चाहती हूँ कि असली आज़ादी वास्तव में है क्या।

हम में से बहुत सारे शायद महसूस करें कि हम कुछ हद तक पहले से ही आज़ाद हैं, परन्तु अत्याचार से आज़ादी का अर्थ केवल राजनैतिक मुक्ति से कहीं अधिक होता है। इसका अर्थ विनाशक भावनाओं से आज़ाद होना भी होता है जैसे कि घृणा, ईर्ष्या तथा जानलेवा मुकाबला। उन भावनाओं से आज़ादी, सँसार की शाँति में योगदान देने के लिए तथा इस सँसार को रहने योग्य एक बेहतर स्थान बनाने के लिए बहुत अधिक सहायता कर सकती है।

बीस साल पहले जब मैं खराब सेहत, असुरक्षा तथा अपनी नौकरी में समस्याओं की गुलामी से जूझ रही थी, एक मित्र ने मुझे मेरी बेकर एडी द्वारा लिखी किताब ''साँयस एंड हैल्थ विद् की टू द स्किपचर्स'' की एक प्रति दी। इस किताब में मैंनें पढ़ा ''क्रिश्चियन साँयस मुक्ति के स्तर को बढ़ा देती है तथा पुकारती है : 'मेरा अनुसरण करो! बीमारी, पाप तथा मृत्यु के दासत्व से निकल जाओ!' जीसस ने रास्ते को चिन्हित किया। इस सँसार के नागरिकों, 'परमेश्वर के बच्चों की शानदार मुक्ति' को स्वीकार करो, और आज़ाद हो जाओ। यह तुम्हारा दिव्य अधिकार है'' (पृष्ठ 227)

मैं इस झिंझोड़ने वाली पुकार पर हैरान थी। लेखिका के जीवन पर मेरे शोध से प्रकट हुआ कि श्रीमति एडी की आज़ादी प्राप्त करने की ऐसी ही इच्छा थी। उन्नीसवीं शताब्दी की इस महिला ने अपने जीवन का पहला भाग बीमारी, निज़ी दुर्घटनाओं और औरतों की समर्थता के प्रति समाज़ में प्रचलित नकारात्मक दृष्टिकोण के साथ संघर्ष करते हुए बिताया। फिर उनकी आध्यात्मिक यात्रा ने उनका नेतृत्व इस खोज की तरफ किया कि परमेश्वर ने असल में हमारी रचना किस तरह की थी और क्राइस्ट जीसस के उपचारक सेवाकार्य के एक नज़रिए की तरफ, कुछ ऐसे की तरह जो हमारे जीवन से आज भी इतना मेल खाता हो। उन्हें आभास हुआ कि वास्तव में हम आध्यात्मिक, सम्पूर्ण तथा पूर्ण हैं। इस नज़रिए ने उनका जीवन बदल दिया और उन्हें प्रताड़ित करने वाली परिस्थितियों से बाहर निकाल दिया। स्वतन्त्रता की अपनी लड़ाई में उन्होंनें स्पष्ट रूप से देखा कि खराब सेहत या राजनैतिक अत्याचार के साथ–साथ किसी भी तरह की बुराई को समर्पित कर देना, हमारी असली, परमेश्वर द्वारा दी गई प्रवृत्ति नहीं है और यह कि आज़ादी तथा प्रभुत्व हमारे दिव्य अधिकार है। इन्होंनें उन्हें अपने जीवन के दूसरे भाग को, इन विचारों को सँसार के साथ अपनी किताब

*For this translation in English and other translations in [Hindi], please see http://translations.christianscience.com*

Translation © 2015 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

साँयस एंड हैल्थ के माध्यम से बाटँने के लिए, व्यतीत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंनें अपने जीवन को ख्रीस्तीय अपचार के लिए तथा दूसरों को उपचार करना सिखाने के लिए समर्पित किया और क्रिश्चियन साँयस चर्च तथा साथ ही साथ एक पब्लिशिंग सोसायटी की भी स्थापना की जो क्रिश्चियन साँयस मानीटर तथा साप्ताहिक और मासिक धार्मिक पत्रिकाएं प्रेषित करती है।

जब मैंने साँयस एंड हैल्थ पढ़ी और इसके विचारों को एक मित्र की सहायता से व्यवहार में लाई जिसने मुझे किताब दी थी, मुझे सबंधो में तथा अपनी नौकरी में कठिनाइयों से आज़ादी मिलनी शुरू हो गई और मैं साँस की तकलीफ, पुराने बुखार तथा अन्य सेहत सबंधी समस्याओं से भी स्वस्थ हो गई। बदलाव तब आरम्भ हुआ जब मुझे बोध हुआ कि मुझे अपनी स्वयं की सोच में सीमितता की दीवारों को तोड़ना था – अपनी स्वयं की एक ऐसी धारणा से चिपके रहना बँद करना था जो सच नहीं थी। जैसे मैंनें ज़्यादा से ज़्यादा अपनी स्वयं की तथा दूसरों की असली पहचान को देखा, एक समान स्रोत्र **परमेश्वर** की अभिव्यक्ति की तरह, मुझे धीरे – 2 आज़ादी मिल गई।

एडी साँयस एंड हैल्थ में घोषणा करती है : ''**परमेश्वर** ने मानव को अखंड अधिकार प्रदान किए हैं जिनमें स्वत : संचालन, तर्क तथा अंतर्विवेक हैं। मानव सही तरह से स्वत : संचालित तभी होता है जब उसका उसके निर्माता, दिव्य सत्य* तथा **प्रेम** के द्वारा उचित तरीके से निर्देशन तथा संचालन किया जाता है'' (पृष्ठ 106)।

हम सभी आज पूर्ण आज़ादी पाने के लिए कदम बढ़ा सकते हैं। तुम अपना आध्यात्मिक घोषणा पत्र जारी कर सकते हो और साल के हर दिन अपनी आज़ादी का उत्सव मना सकते हो।

* जो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं वह परमेश्वर के समानार्थक शब्द हैं।

Translation © 2015 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.